शहीद दुर्गामल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला, देहरादून।

नई शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत पाठ्यक्रम संयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत सत्र 2022–23 से छात्र–छात्राओं को सेमेस्टर प्रणाली के आधार पर प्रवेश देय होंगे।

प्रवेश के समय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के विषयों में से दो मुख्य (मेजर) विषयों का चुनाव करना होगां जिन्हें प्रथम से षष्ठम सेमेस्टर तक पढना होगा। तीसरे मुख्य विषय (मेजर इलैक्टिव) का चुनाव विद्यार्थी किसी भी संकाय से कर सकता है । कला संकाय के विषय ग्रुप ABC के आधार पर देय होंगे। प्रत्येक ग्रुप से अधिकतम दो विषयों का चयन मुख्य विषय के रूप में होगा। दो से अधिक भाषा विषयों का चयन तथा दो से अधिक प्रयोगातमक विषयों का चयन मान्य नहीं होगा। स्नातक स्तर के प्रथम चार सेमेस्टर (दो वर्ष) में प्रत्येक सेमेस्टर में 3 क्रैडिट का एक–एक कौशल विकास कोर्स (वोकेशनल कोर्स) पूर्ण करना होगा। स्नातक स्तर के प्रत्येक वर्ष में 6 समेस्टर में एक–एक सह पाठ्यक्रम (Co-corricular) पढना अनिवार्य होगा।

पाठ्यक्रमों हेतु विषय संयोजन –कला संकाय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसा के अनुरूप महाविद्यालय व्यवस्था के दृष्टिगत संचालित कला संकाय के तीन समूहों (समूह अ, समूह ब, तथा समूह स) में विभाजित करते हुए इनका संयोजन करेगा।

Group -A	Group-B	Group-C
Hindi	Drawing and Painting	Economics
English	Home Science	History
Sanskrit	Geography	Political Science
	Psychology	Sociology
	Military & Defence Studies	

प्रत्येक विद्यार्थी कला संकाय के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर प्रथम सेमेस्टर में न्यूनतम दो और अधिकतम तीन प्रमुख/मेजर (02 कोर व 01 इलैक्टिव) विषयों का चयन कर सकता है। सामान्य रूप से प्रथम सेमेस्टर में चयनित विषय का अध्ययन विद्यार्थी को द्वितीय तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर में भी करना होगा।

किसी एक ही समूह के दो मेजर कोर लेने के पश्चात मेजर इलैक्टिव अन्य समूह या अन्त संकाय से लिया जाएेगा। विद्यार्थी किसी एक समूह से अधिकतम दो विषयों का ही चयन मेजर कोर के रूप में कर सकता है। किसी एक समूह से तीन प्रमुख/मेजर विषयों का चयन नहीं किया जाऐगा। अतः विद्यार्थी दो से अधिक भाषा/साहित्य विषयों का चयन एक साथ नहीं करेगा व दो से अधिक प्रयोगात्मक विषयों का चयन एक साथ नहीं करेगा।

प्राचार्य
(डॉ० डी० सी० नैनवाल)
प्राचार्य
शहीद दुर्गामल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोईवाला, देहरादून (उत्तराखण्ड)

विज्ञान संकाय

समान प्रक्रिया विज्ञान संकाय के विषयों के संदर्भ में भी अनुपालन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विज्ञान संकाय के विषयों को तीन समूहों में विभाजित करते हुए विज्ञान संकाय में दो कोर प्रमुख/मेजर विषय का चयन समूह अ/समूह ब/समूह स से किया जा सकता है। 02 मेजर कोर विषय का चयन एक ही समूह से करने के पश्चात मेजर इलैक्टिव का चयन अन्य संकाय या अन्य समूह से किया जाएगा। इस प्रकार एक ही समूह से दो मेजर कोर व एक मेजर इलैक्टिव का चयन नहीं किया जा सकता।

समूह अ	समूह ब	समूह स
Physics	Botany	Chemistry
Mathematics	Zoology	

वाणिज्य संकाय

वाणिज्य संकाय के विषयों को तीन समूह में विभाजित किया गया है।

समूह अ	समूह ब	समूह स
Financial Accounting (Major Core own Faculty)	Business Regulatory Frame work (Major Core own Faculity)	Business Organization Management
		Business Communication (Major Elective per own faculty/other faculty)

वाणिज्य संकाय में प्रवेशरत विद्यार्थी समूह अ,ब,स को मेजर कोर की तरह चयनित करेगा। विद्यार्थी दो मेजर कोर वाणिज्य संकाय से लेने के पश्चात् तीसरे मेजर इलैक्टिव का चयन वाणिज्य संकाय के समूह स से अथवा अन्य संकाय से कर सकता है।

स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के लिए 46 संचित कैडिट के सापेक्ष तीन प्रमुख/मेजर विषय (दो कोर एवं एक इलैक्टिव) एक माइनर इलैक्टिव पेपर, दो सह–पाठ्यक्रम एवं दो व्यवसायिक पाठ्क्रम होंगें, जिसे उत्तीर्ण करने पर Certificate in Faculty प्रदान किया जायेगा।

प्राचार्य

(डॉ० डी० सी० नैनवाल)
प्राचार्य
शहीद दुर्गामल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोईवाला, देहरादून (उत्तराखण्ड)

द्वितीय वर्ष 92 क्रैडिट संचति के सापेक्ष द्वितीय वर्ष में तीन प्रमुख/मेजर विषय (दो कोर एवं एक इलैक्टिव) विषय, एक माइनर इलैक्टिव पेपर,दो सह–पाठ्यक्रम तथा दो व्यावसायिक पाठ्यक्रम होंगे जिसे उत्तीर्ण करने पर Diploma in Faculty प्रदान किया जायेगा।

तृतीय वर्ष तक 132 संचित क्रैडिट के सापेक्ष इस वर्ष दो प्रमुख/मेजर विषय (दो कोर एवं एक इलैक्टिव) विषय, दो सह–पाठ्यक्रम तथा दो माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट होंगे जिसे उत्तीर्ण करने पर Bechelor in Faculty उपाधि प्रदान की जायेगी।

विद्यार्थी को सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट के साथ निकास तथा दो वर्ष पूर्ण करने पर डिप्लोमा के साथ निकास की सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यार्थी को निर्गत प्रमाण पत्र अथवा डिप्लोमा पर उनके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त रोजगार परक पाठ्यक्रम का स्पष्ट उल्लेख किया जाऐगा। विद्यार्थी को सफलतापूर्णक तीन वर्ष पूर्ण करने पर ही स्नातक की उपाधि प्राप्त होगी। विद्यार्थी निकास के पश्चात अगले स्तर पर पुनः प्रवेश ले सकेगा किन्तु प्रवेश लेने पर उसे अपना सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कालेज में जमा करने होगा। साथ ही पूर्व पात्रता के आधार पर विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष में विषय परिवर्तन की सुविधा उपलब्ध होगी।

विद्यार्थी संकाय में सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूर्ण करने पर न्यूनतम 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त करेगा, उसी में उसे स्नातक की उपाधि प्रदान की जायेगी। यदि कोई विद्यार्थी तीन वर्ष में किसी एक संकाय में न्यूनतम 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसे बैचलर ऑफ लिबरल एजूकेशन की उपाधि दी जायेगी तथा वह उन विषयों में स्नातकोत्तर कर सकेगा जिसमें स्नातक स्तर पर किसी भी विषय के पूर्व पात्रता की आवश्यक शर्त नहीं होगी।

प्रवेश

सर्वप्रथम विद्यार्थी महाविद्यालय में अपने संकाय का चुनाव स्नातक स्तर पर अपने प्रवेश पर ही करेगा। महाविद्यालय में उपलब्ध सीटों के आधार पर विद्यार्थी को संबंधित संकाय में प्रवेश दे सकेंगे। प्रवेश, अर्हता परीक्षा में कुल प्राप्तांक प्रतिशत तथा अन्य निर्धारित मानकों के आधार पर तैयार की गई योग्यताक्रम सूची के अनुसार अभिलेखों की उचित जांच पड़ताल कर महाविद्यालय में प्रवेश दिया जायेगा।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु विषय/वर्ग संकाय के लिए पूर्व पात्रता (Pre-requiste)

विज्ञान वर्ग के विषयों में इन्टरमीडिएट करने वाला छात्र स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय, कला संकाय, वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत प्रवेश प्राप्त करने के लिए पात्र होगा।

कला वर्ग के विषयों से इन्टरमीडिएट करने वाला छात्र स्नातक स्तर पर कला संकाय एवं वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत प्रवेश प्राप्त करने के योग्य होगा।

(डॉ० डी० सी० नैनवाल)
प्राचार्य
शहीद दुर्गामल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोईवाला, देहरादून (उत्तराखण्ड)

वाणिज्य वर्ग के विषयों से इन्टरमीडिएट करने वाला छात्र स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय अथवा कला संकाय के अन्तर्गत प्रवेश प्राप्त करने के लिए पात्र होगा।

व्यवसायिक वर्ग के विषयों से इन्टरमीडिएट करने वाला छात्र स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत प्राप्त करने के लिए पात्र होगा।

मुख्य (Major) विषय तथा गौण चयनित (Minor Elective) पेपर

विद्यार्थी को प्रवेश के समय एक संकाय (कला, विज्ञान वाणिज्य आदि) का चुनाव करना होगा और उसे उस संकाय के दो मुख्य विषयों का चुनाव करना होगा। यह संकाय विद्यार्थी का अपना संकाय कहलायेगा जिसका अध्ययन वह तीन वर्ष (प्रथम एवं छटे सेमेस्टर) तक कर सकता है।

तीसरे मुख्य (Major) विषय का चुनाव विद्यार्थी किसी भी संकाय (अपने संकाय सहित) से कर सकता है।

विद्यार्थी द्वितीय/तृतीय वर्ष में मुख्य विषय बदल सकता है अथवा उनके क्रम में परिवर्तन कर सकता है।

विद्यार्थी को महाविद्यालय में विषयों की उपलब्धता के आधार पर नियमानुसार विषय परिवर्तन की सुविधा होगी, परन्तु वह एक वर्ष के बाद ही विषय परिवर्तित कर सकता है, एक सेमेस्टर के बाद नहीं।

माइनर इलैक्टिव कोर्स किसी भी विषय में 4 क्रैडिट का होगा।

मेजर/माइनर इलैक्टिव विषय विद्यार्थी को किसी भी संकाय से लेना होगा और इसके लिए किसी भी Pre-requiste की आवश्यकता नहीं होगी।

बहुविषयकता सुनिश्चित करने के लिए स्नातक स्तर पर माइनर इलैक्टिव विषय सभी विद्यार्थियों को किसी भी चौथे विषय (उसके द्वारा लिये गये तीन मुख्य विषयों के अतिरिक्त) लेना होगा।

तीसरे मुख्य (मेजर) इलैक्टिव विषय तथा माइनर इलैक्टिव विषय का चयन विद्यार्थी द्वारा इस प्रकार किया जायेगा कि इनमें से कम से कम एक अनिवार्यतः अपने संकाय के अतिरिक्त अन्य संकाय से हो।

किसी संस्था में एक ही संकाय की स्थिति में अथवा संस्थान के स्तर पर अपने संस्थान के अन्य विभाग से लिया जा सकता है। माइनर इलैक्टिव कोर्स ऑनलाइन से भी पूरा किया जा सकता है।

स्नातकोत्तर स्तर (प्रथम वर्ष) पर माइनर इलैक्टिव पेपर चुनाव अन्य संकाय से करना होगा।

विद्यार्थी को प्रथम, द्वितीय वर्ष (स्नातक) एवं चतुर्थ वर्ष (स्नातकोत्तर) में किसी एक सेमेस्टर में माइनर इलैक्टिव विषय (एक माइनर विषय/पेपर/प्रति वर्ष) लेना अनिवार्य होगा। महाविद्यालय उपलब्ध सीटों के आधार पर माइनर विषय को आबंटित कर सकता है। तृतीय वर्ष में माइनर इलैक्टिव पेपर अनिवार्य नहीं होगा।

(डॉ० डी०सी० नैनवाल)
प्राचार्य
प्राचार्य
शहीद दुर्गामल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोईवाला, देहरादून (उत्तराखण्ड)

विद्यार्थी अपनी सुविधा से सम अथवा विषम सेमेस्टर में उपलब्ध माइनर इलेक्टिव विषय का चुनाव कर सकता है।

माइनर इलैक्टिव विषय का चुनाव संस्थान में संचालित विषयों के अनुरूप किया जायेगा। चुने हुए माइनर विषय/पेपर की कक्षायें फैकल्टी में संचालित उसी कोर्स की कक्षाओं के साथ होगी तथा उसकी परीक्षा भी उसी के साथ संचालित की जायेगी।

(डॉ0 डी0सी0 नैनवाल)
प्राचार्य
श.दु.म. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोईवाला, देहरादून।

(डॉ0 डी0 सी0 नैनवाल)
प्राचार्य
शहीद दुर्गामल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोईवाला, देहरादून (उत्तराखण्ड)